

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**Janardhan works in a call centre. He leaves late in the evening for work, becomes John when he enters his office, acquires a new accent and speaks a different language (than he does when he is at home) to communicate with his clients who are living thousands of miles away.**

जनार्दन एक कॉल-सेंटर में काम करता है। वह देर दोपहर में काम के लिए निकलता है; दफ्तर में घुसने के साथ ही वह जॉन बन जाता है; नया लहजा अख़्तियार कर लेता है और हजारों किलोमीटर दूर बसे अपने ग्राहकों से बात करने के लिए एक नयी भाषा बोलने लगता है। अपने घर में वह न तो यह भाषा और न ही इस लहजे में बोलता है।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**He works all night, which is actually day time for his overseas customers. Janardhan is rendering a service to somebody who in all probability he is never likely to meet physically. This is his daily routine. His holidays also do not correspond to the Indian calendar but to those of his clients who happen to be from the US.**

वह सारी रात काम करता है जो दरअसल उसके विदेशी ग्राहकों के लिए दिन का समय होता है। जनार्दन एक ऐसे आदमी को अपनी सेवा प्रदान कर रहा है जिससे बहुत संभव है, वह कभी आमने-सामने की मुलाकात न कर सके। यही उसकी दिनचर्या है। जनार्दन की छुट्टियाँ भी भारतीय कैलेंडर से नहीं बल्कि अमरीका के कैलेंडर से मेल खाती हैं जहाँ उसके ग्राहक रहते हैं।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**Ramdhari has gone shopping to buy a birthday gift for his nine-year old daughter. He has promised her a small cycle and decides to search the market for something he finds affordable as well as of reasonable quality. He finally does buy a cycle, which is actually manufactured in China but is being marketed in India.**

अपनी नौ वर्षीया बेटी को जन्मदिन का उपहार देने के लिए रामधारी बाज़ार गया है। उसने अपनी बेटी को एक छोटी-सी साइकिल उपहार में देने का वायदा किया है। रामधारी ने बाज़ार में जाकर एसी साइकिल ढूँढ़ने का फैसला किया जो उसे कीमत के लिहाज से जँच जाए और कुछ उम्दा क्वालिटी की हो। उसने आखिरकार एक साइकिल खरीदी जो बनी तो चीन में थी लेकिन बिक भारत में रही है।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**It meets his requirements of quality as well as affordability, and Ramdhari decides to go ahead with his purchase. Last year, Ramdhari on his daughter's insistence had bought her a Barbie doll, which was originally manufactured in the US but was being sold in India.**

इस साइकिल की कीमत रामधारी की जेब को माफ़िक पड़ी और 'क्वालिटी' भी उसे जँच गई। रामधारी ने इसे खरीदने का फैसला किया। पिछले साल अपनी बेटी की जिद पर रामधारी ने उसे 'बार्बी डॉल' खरीदकर दिया था जो दरअसल संयुक्त राज्य अमरीका में बनी थी और भारत में बिक रही थी।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**Sarika is a first generation learner who has done remarkably well throughout her school and college life by working very hard.**

**She now has an opportunity to take on a job and begin an independent career, which the women of her family had never dreamt of earlier.**

सारिका अपने परिवार में पहली पीढ़ी की शिक्षित है। कठिन मेहनत के बूते स्कूल और कॉलेज में वह अक्ल साबित हुई। अब उसे नौकरी करने और एक स्वतंत्र कैरियर की शुरुआत करने का अवसर हाथ लगा है। ऐसे अवसर के बारे में उसके परिवार की महिलाएँ सोच भी नहीं सकती थीं।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**While some of her relatives are opposed, she finally decides to go ahead because of the new opportunities that have been made available to her generation.**

सारिका के रिश्तेदारों में से कुछ इस नौकरी का विरोध कर रहे हैं लेकिन सारिका ने आखिरकार यह नौकरी करने का फैसला किया क्योंकि उसकी पीढ़ी के नौजवानों के सामने नये अवसर मौजूद हैं।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**All three examples illustrate an aspect each of what we call globalisation. In the first instance Janardhan was participating in the globalisation of services. Ramdhari's birthday purchases tell us something about the movement of commodities from one part of the world to another**

ये तीनों उदाहरण वैश्वीकरण का एक न एक पहलू दिखाते हैं। पहले उदाहरण में जनार्दन सेवाओं के वैश्वीकरण में हिस्सेदारी कर रहा है। रामधारी जन्मदिन के लिए जो उपहार खरीद रहा है उसमें हमें विश्व के एक भाग से दूसरे भाग में वस्तुओं की आवाजाही का पता चलता है।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**Sarika is faced with a conflict of values partly originating from a new opportunity that earlier was not available to the women in her family but today is part of a reality that has gained wider acceptability.**

सारिका के सामने जीवन-मूल्यों के बीच दुविधा की स्थिति है। यह दुविधा अंशतः उन अवसरों के कारण पैदा हुई है जो उसके परिवार की महिलाओं को पहले उपलब्ध नहीं थे लेकिन आज वे एक सच्चाई हैं और जिन्हें व्यापक स्वीकृति मिल रही है।



# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**Since much of the usage tends to be imprecise, it becomes important to clarify what we mean by globalisation. Globalisation as a concept fundamentally deals with flows. These flows could be of various kinds – ideas moving from one part of the world to another , capital shunted between two or more places**

चूँकि 'वैश्वीकरण' शब्द का प्रयोग अधिकांशतया सटीक अर्थों में नहीं होता इसीलिए यह स्पष्ट करना ज़रूरी है कि इसका सही-सही अर्थ क्या है। एक अवधारणा के रूप में वैश्वीकरण की बुनियादी बात है – प्रवाह। प्रवाह कई तरह के हो सकते हैं – विश्व के एक हिस्से के विचारों का दूसरे हिस्सों में पहुँचना;

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**commodities being traded across borders, and people moving in search of better livelihoods to different parts of the world. The crucial element is the 'worldwide interconnectedness' that is created and sustained as a consequence of these constant flows.**

पूँजी का एक से ज़्यादा जगहों पर जाना; वस्तुओं का कई-कई देशों में पहुँचना और उनका व्यापार तथा बेहतर आजीविका की तलाश में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लोगों की आवाजाही। यहाँ सबसे ज़रूरी बात है 'विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव' जो ऐसे प्रवाहों की निरंतरता से पैदा हुआ है और कायम भी है।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**Globalisation is a multidimensional concept. It has political, economic and cultural manifestations, and these must be adequately distinguished. It is wrong to assume that globalisation has purely economic dimensions, just as it would also be mistaken to assume that it is a purely cultural phenomenon.**

वैश्वीकरण एक बहुआयामी अवधारणा है। इसके राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अवतार हैं और इनके बीच ठीक-ठीक भेद किया जाना चाहिए। यह मान लेना ग़लत है कि वैश्वीकरण केवल आर्थिक परिघटना है। ठीक इसी तरह यह मान लेना भी भूल होगी कि वैश्वीकरण एकदम सांस्कृतिक परिघटना है।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**The impact of globalisation is vastly uneven – it affects some societies more than others and some parts of some societies more than others – and it is important to avoid drawing general conclusions about the impact of globalisation without paying sufficient attention to specific contexts.**

वैश्वीकरण का प्रभाव बड़ा विषम रहा है— यह कुछ समाजों को बाकियों की अपेक्षा और समाज के एक हिस्से को बाकी हिस्सों की अपेक्षा ज़्यादा प्रभावित कर रहा है। ऐसे में ज़रूरी हो जाता है कि विशिष्ट संदर्भों पर पर्याप्त ध्यान दिए बिना हम वैश्वीकरण के प्रभाव के बारे में सर्व-सामान्य निष्कर्ष निकालने से परहेज करें।

# CAUSES OF GLOBALISATION

**What accounts for globalisation? If globalisation is about the flows of ideas, capital, commodities, and people, it is perhaps logical to ask if there is anything novel about this phenomenon. Globalisation in terms of these four flows has taken place through much of human history.**

क्या है वैश्वीकरण की वजह? अगर वैश्वीकरण विचार, पूँजी, वस्तु और लोगों की आवाजाही से जुड़ी परिघटना है तो शायद यह प्छना असंगत न होगा कि इस परिघटना में क्या कुछ नयी बात है? अगर इन चार तरह के प्रवाहों की ही बात है तो फिर वैश्वीकरण मानव-इतिहास के अधिकांश समय जारी रहा है।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**However, those who argue that there is something distinct about contemporary globalisation point out that it is the scale and speed of these flows that account for the uniqueness of globalisation in the contemporary era.**

बहरहाल, जो लोग तर्क देते हैं कि समकालीन वैश्वीकरण के साथ कुछ खास बात है वे ध्यान दिलाते हैं कि नयी बात है इन प्रवाहों की गति और इनके प्रसार का धरातल। ये दोनों बातें मौजूदा वैश्वीकरण को अनूठा बनाती हैं। वैश्वीकरण का एक मजबूत एतिहासिक आधार है इसलिए ज़रूरी है कि हम इन प्रवाहों को इतिहास के संदर्भ में देखें।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**Globalisation has a strong historical basis, and it is important to view contemporary flows against this backdrop. While globalisation is not caused by any single factor, technology remains a critical element.**

हालाँकि वैश्वीकरण के लिए कोई एक कारक जिम्मेवार नहीं फिर भी प्रौद्योगिकी अपने आप में एक अपरिहार्य कारण साबित हुई है। इसमें कोई शक नहीं कि टेलीग्राफ, टेलीफोन और माइक्रोचिप के नवीनतम आविष्कारों ने विश्व के विभिन्न भागों के बीच संचार की क्रांति कर दिखायी है।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**There is no doubt that the invention of the telegraph, the telephone, and the microchip in more recent times has revolutionised communication between different parts of the world.**

शुरू-शुरू में जब छपाई (मुद्रण) की तकनीक आयी थी तो उसने राष्ट्रवाद की आधारशिला रखी। इसी तरह आज हम यह अपेक्षा कर सकते हैं कि प्रौद्योगिकी का भाव हमारे सोचने के तरीके पर पड़ेगा।



# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**When printing initially came into being it laid the basis for the creation of nationalism. So also today we should expect that technology will affect the way we think of our personal but also our collective lives.**

हम अपने बारे में जिस ढंग से सोचते हैं और हम सामूहिक जीवन के बारे में जिस तर्ज पर सोचते हैं – प्रौद्योगिकी का उस पर असर पड़ेगा।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**The ability of ideas, capital, commodities and people to move more easily from one part of the world to another has been made possible largely by technological advances. The pace of these flows may vary. For instance, the movement of capital and commodities will most likely be quicker and wider than the movement of peoples across different parts of the world.**

विचार, पूँजी, वस्तु और लोगों की विश्व के विभिन्न भागों में आवाजाही की आसानी प्रौद्योगिकी में हुई तरक्की के कारण संभव हुई है। इन प्रवाहों की गति में अंतर हो सकता है। उदाहरण के लिए विश्व के विभिन्न भागों के बीच पूँजी और वस्तु की गतिशीलता लोगों की आवाजाही की तुलना में ज़्यादा तेज और व्यापक होगी।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**Globalisation, however, does not emerge merely because of the availability of improved communications. What is important is for people in different parts of the world to recognise these interconnections with the rest of the world.**

बहरहाल, संचार-साधनों की तरक्की और उनकी उपलब्धता मात्र से वैश्वीकरण अस्तित्व में आया हो – एसी बात नहीं। यहाँ ज़रूरी बात यह है कि विश्व के विभिन्न भागों के लोग अब समझ रहे हैं कि वे आपस में जुड़े हुए हैं।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**Currently, we are aware of the fact that events taking place in one part of the world could have an impact on another part of the world. The Bird flu or tsunami is not confined to any particular nation. It does not respect national boundaries. Similarly**

आज हम इस बात को लेकर सजग हैं कि विश्व के एक हिस्से में घटने वाली घटना का प्रभाव विश्व के दूसरे हिस्से में भी पड़ेगा। बर्ड फ्लू अथवा 'सुनामी' किसी एक राष्ट्र की हदों में सिमटे नहीं रहते।

# THE CONCEPT OF GLOBALISATION

**when major economic events take place, their impact is felt outside their immediate local, national or regional environment at the global level.**

ये घटनाएँ राष्ट्रीय-सीमाओं का जोर नहीं मानतीं। ठीक इसी तरह जब बड़ी आर्थिक घटनाएँ होती हैं तो उनका प्रभाव उनके मौजूदा सीान अथवा क्षेत्रीय परिवेश तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व भर में महसूस किया जाता है।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**One of the debates that has been generated as a consequence of contemporary processes of globalisation relates to its ongoing political impact. How does globalisation affect traditional conceptions of state sovereignty? There are at least three aspects that we need to consider when answering this question.**

वैश्वीकरण की समकालीन प्रक्रियाओं के प्रभाव के बारे में जारी बहसों में एक यह है कि इसका राजनीतिक असर क्या हो रहा है? राज्य की संप्रभुता की परंपरागत धारणा पर वैश्वीकरण का असर कैसे होता है? इस सवाल का ज़वाब देते समय हमें कम से कम तीन पहलुओं का ध्यान रखना होगा।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**At the most simple level, globalisation results in an erosion of state capacity, that is, the ability of government to do what they do. All over the world, the old 'welfare state' is now giving way to a more minimalist state that performs certain core functions such as the maintenance of law and order and the security of its citizens**

सबसे सीधा-सरल विचार यह है कि वैश्वीकरण के कारण राज्य की क्षमता यानी सरकारों को जो करना है उसे करने की ताकत में कमी आती है। पूरी दुनिया में कल्याणकारी राज्य की धारणा अब पुरानी पड गई है और इसकी जगह न्यूनतम हस्तक्षेपकारी राज्य ने ले ली है। राज्य अब कुछेक मुख्य कामों तक ही अपने को सीमित रखता है, जैसे कानून और व्यवस्था को बनाये रखना तथा अपने नागरिकों की सुरक्षा करना।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**However, it withdraws from many of its earlier welfare functions directed at economic and social well-being. In place of the welfare state, it is the market that becomes the prime determinant of economic and social priorities**

इस तरह के राज्य ने अपने को पहले के कई ऐसे लोक-कल्याणकारी कामों से खींच लिया है जिनका लक्ष्य आर्थिक और सामाजिक-कल्याण होता था। लोक कल्याणकारी राज्य की जगह अब बाज़ार आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक है।



# POLITICAL CONSEQUENCES

**The entry and the increased role of multinational companies all over the world leads to a reduction in the capacity of governments to take decisions on their own.**

पूरे विश्व में बहुराष्ट्रीय निगम अपने पैर पसार चुके हैं और उनकी भूमिका बढ़ी है। इससे सरकारों के अपने दम पर फैसला करने की क्षमता में कमी आती है।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**At the same time, globalisation does not always reduce state capacity. The primacy of the state continues to be the unchallenged basis of political community. The old jealousies and rivalries between countries have not ceased to matter in world politics.**

इसी के साथ एक बात और भी है। वैश्वीकरण से हमेशा राज्य की ताकत में कमी आती हो- एसी बात नहीं। राजनीतिक समुदाय के आधार के रूप में राज्य की प्रधानता को कोई चुनौती नहीं मिली है और राज्य इस अर्थ में आज भी प्रमुख है।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**The state continues to discharge its essential functions (law and order, national security) and consciously withdraws from certain domains from which it wishes to. States continue to be important.**

विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच-समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्जी हो। राज्य अभी भी महत्त्वपूर्ण बने हुए हैं।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**Indeed, in some respects state capacity has received a boost as a consequence of globalisation, with enhanced technologies available at the disposal of the state to collect information about its citizens.**

वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इजाफा हुआ है। अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएँ जुटा सकते हैं।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**With this information, the state is better able to rule, not less able. Thus, states become more powerful than they were earlier as an outcome of the new technology.**

इस सूचना के दम पर राज्य ज़्यादा कारगर ढंग से काम कर सकते हैं। उनकी क्षमता बढ़ी है; कम नहीं हुई। इस प्रकार नई प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप राज्य अब पहले से ज़्यादा ताकतवर हैं।

# ECONOMIC CONSEQUENCES

**While everything may not be known about the economic facets of globalisation, this particular dimension shapes a large part of the content and direction of contemporary debates surrounding globalisation.**

वैश्वीकरण के आर्थिक पहलू के बारे में सब कुछ भले ही नहीं जाना जा सके लेकिन, यह कहा जा सकता है कि वैश्वीकरण को लेकर जारी बहसों का बड़ा हिस्सा और इस बहस की दिशा इसी पहलू से संबंधित है।

# ECONOMIC CONSEQUENCES

**A part of the problem has to do with defining economic globalisation itself. The mention of economic globalisation draws our attention immediately to the role of international institutions like the IMF and the WTO and the role they play in determining economic policies across the world.**

इस समस्या का एक पक्ष तो यही है कि आर्थिक वैश्वीकरण को कैसे परिभाषित किया जाए। जैसे ही आर्थिक वैश्वीकरण का उल्लेख होता है, हमारा ध्यान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन जैसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा विश्व भर में आर्थिक नीतियों के निर्धारण में इनके द्वारा निभायी गई भूमिका पर जाता है।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**Yet, globalisation must not be viewed in such narrow terms. Economic globalisation involves many actors other than these international institutions. A much broader way of understanding of economic globalisation**

इस समस्या का एक पक्ष तो यही है कि आर्थिक वैश्वीकरण को कैसे परिभाषित किया जाए। जैसे ही आर्थिक वैश्वीकरण का उल्लेख होता है, हमारा ध्यान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन जैसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा विश्व भर में आर्थिक नीतियों के निर्धारण में इनके द्वारा निभायी गई भूमिका



# POLITICAL CONSEQUENCES

**requires us to look at the distribution of economic gains, i.e. who gets the most from globalisation and who gets less, indeed who loses from it.**

आर्थिक वैश्वीकरण को अधिक व्यापक नज़र से समझने के लिए हमें इससे होने वाले आर्थिक फायदों के बँटवारे के अर्थ में सोचना चाहिए यानी इस संदर्भ में कि किसे वैश्वीकरण से सबसे ज़्यादा फायदा हुआ और किसे सबसे कम। यह भी देखने की ज़रूरत है कि वैश्वीकरण के कारण किसने नुकसान उठाया।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**What is often called economic globalisation usually involves greater economic flows among different countries of the world. Some of this is voluntary and some forced by international institutions and powerful countries.**

अमूमन जिस प्रक्रिया को आर्थिक वैश्वीकरण कहा जाता है उसमें दुनिया के विभिन्न देशों के बीच आर्थिक प्रवाह तेज हो जाता है। कुछ आर्थिक प्रवाह स्वेच्छा से होते हैं जबकि कुछ अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और ताकतवर देशों द्वारा जबरन लादे जाते हैं।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**As we saw in the examples at the beginning of this chapter, this flow or exchange can take various forms: commodities, capital, people and ideas. Globalisation has involved greater trade in commodities across the globe;**

जैसा कि हमने इस अध्याय की शुरुआत में देखा, ये प्रवाह कई किस्म के हो सकते हैं, जैसे वस्तुओं, पूंजी, जनता अथवा विचारों का प्रवाह। वैश्वीकरण के चलते पूरी दुनिया में वस्तुओं के व्यापार में इजाफा हुआ है;

# POLITICAL CONSEQUENCES

**the restrictions imposed by different countries on allowing the imports of other countries have been reduced. Similarly, the restrictions on movement of capital across countries have also been reduced**

अलग-अलग देश अपने यहां होने वाले आयात पर प्रतिबंध लगाते थे लेकिन अब ये प्रतिबंध कम हो गए हैं। ठीक इसी तरह दुनिया भर में पूंजी की आवाजाही पर अब कहीं कम प्रतिबंध हैं।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**In operational terms, it means that investors in the rich countries can invest their money in countries other than their own, including developing countries, where they might get better returns.**

व्यावहारिक धरातल पर इसका अर्थ यह हुआ कि धनी देश के निवेशकर्ता अपना धन अपने देश की जगह कहीं और निवेश कर सकते हैं, खासकर विकासशील देशों में जहाँ उन्हें ज़्यादा मुनाफा होगा।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**Globalisation has also led to the flow of ideas across national boundaries. The spread of internet and computer related services is an example of that. But globalisation has not led to the same degree of increase in the movement of people across the globe**

वैश्वीकरण के चलते अब विचारों के सामने राष्ट्र की सीमाओं की बाधा नहीं रही, उनका प्रवाह अबाध हो उठा है। इंटरनेट और कंप्यूटर से जुड़ी सेवाओं का विस्तार इसका एक उदाहरण है। लेकिन वैश्वीकरण के कारण जिस सीमा तक वस्तुओं और पूंजी का प्रवाह बढ़ा है उस सीमा तक लोगों की आवाजाही नहीं बढ़ सकी है।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**Developed countries have carefully guarded their borders with visa policies to ensure that citizens of other countries cannot take away the jobs of their own citizens.**

विकसित देश अपनी वीजा-नीति के जरिए अपनी राष्ट्रीय सीमाओं को बड़ी सतर्कता से अभेद्य बनाए रखते हैं ताकि दूसरे देशों के नागरिक विकसित देशों में आकर कहीं उनके नागरिकों के नौकरी-धंधे न हथिया लें।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**In thinking about the consequences of globalisation, it is necessary to keep in mind that the same set of policies do not lead to the same results everywhere.**

वैश्वीकरण के परिणामों पर सोचते हुए हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हर जगह एक समान नीति अपना लेने का मतलब यह नहीं होता कि हर जगह परिणाम भी समान होंगे।



# POLITICAL CONSEQUENCES

**While globalisation has led to similar economic policies adopted by governments in different parts of the world, this has generated vastly different outcomes in different parts of the world. It is again crucial to pay attention to specific context rather than make simple generalisations in this connection**

वैश्वीकरण के कारण दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सरकारों ने एकसार आर्थिक नीतियों को अपनाया है, लेकिन विश्व के विभिन्न भागों में इसके परिणाम बहुत अलग-अलग हुए हैं। यहां भी हमें सर्व-सामान्य निष्कर्ष निकालने के बजाय संदर्भ-विशेष पर ध्यान देना होगा।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**Economic globalisation has created an intense division of opinion all over the world. Those who are concerned about social justice are worried about the extent of state withdrawal caused by processes of economic globalisation**

आर्थिक वैश्वीकरण के कारण पूरे विश्व में जनमत बड़ी गहराई से बँट गया है। आर्थिक वैश्वीकरण के कारण सरकारें कुछ जिम्मेदारियों से अपने हाथ खींच रही हैं और इससे सामाजिक न्याय से सरोकार रखने वाले लोग चिंतित हैं।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**They point out that it is likely to benefit only a small section of the population while impoverishing those who were dependent on the government for jobs and welfare (education, health, sanitation, etc.).**

इनका कहना है कि आर्थिक वैश्वीकरण से आबादी के एक बड़े छोटे तबके को फायदा होगा जबकि नौकरी और जन-कल्याण (शिक्षा, स्वास्थ्य, साफ-सफाई की सुविधा आदि)

# POLITICAL CONSEQUENCES

**They have emphasised the need to ensure institutional safeguards or creating 'social safety nets' to minimise the negative effects of globalisation on those who are economically weak.**

के लिए सरकार पर आश्रित रहने वाले लोग बदहाल हो जाएँगे। सामाजिक न्याय के पक्षधर इस बात पर जोर देते हैं कि कुछ सांस्थानिक उपाय किए जाने चाहिए या कहें कि 'सामाजिक सुरक्षा कवच' तैयार किया जाना चाहिए ताकि जो लोग आर्थिक रूप से कमजोर है!

# POLITICAL CONSEQUENCES

**Many movements all over the world feel that safety nets are insufficient or unworkable. They have called for a halt to forced economic globalisation, for its results would lead to economic ruin for the weaker countries,**

उन पर वैश्वीकरण के दुष्प्रभावों को कम किया जा सके। दुनिया के अनेक आंदोलनों की मान्यता है कि 'सामाजिक सुरक्षा-कवच' की बात अव्यावहारिक है और इतना भर उपाय पर्याप्त नहीं होगा। ऐसे आंदोलनों ने बलपूर्वक किए जा रहे वैश्वीकरण को रोकने की आवाज़ लगाई है!

# POLITICAL CONSEQUENCES

**especially for the poor within these countries. Some economists have described economic globalisation as recolonisation of the world.**

क्योंकि इससे गरीब देश आर्थिक-रूप से बर्बादी की कगार पर पहुँच जाएँगे; खासकर इन देशों के गरीब लोग एकदम बदहाल हो जाएँगे। कुछ अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक वैश्वीकरण को विश्व का पुनःउपनिवेशीकरण कहा है।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**Advocates of economic globalisation argue that it generates greater economic growth and well-being for larger sections of the population when there is de-regulation. Greater trade among countries allows each economy to do what it does best.**

आर्थिक वैश्वीकरण की प्रक्रियाओं के समर्थकों का तर्क है कि इससे समृद्धि बढ़ती है और 'खुलेपन' के कारण ज़्यादा से ज़्यादा आबादी की खुशहाली बढ़ती है। व्यापार की बढ़ती से हर देश को अपना बेहतर कर दिखाने का मौका मिलता है।

# POLITICAL CONSEQUENCES

**This would benefit the whole world. They also argue that economic globalisation is inevitable and it is not wise to resist the march of history. More moderate supporters of globalisation say that globalisation provides a challenge that can be responded to intelligently without accepting it uncritically.**

इससे पूरी दुनिया को फायदा होगा। इन लोगों का कहना है कि आर्थिक वैश्वीकरण अपरिहार्य है और इतिहास की धारा को अवरुद्ध करना कोई बुद्धिमानी नहीं। वैश्वीकरण के मध्यमार्गी समर्थकों का कहना है कि वैश्वीकरण ने चुनौतियां पेश कीं और सजग-सचेत होकर पूरी बुद्धिमत्ता से इसका सामना किया जाना चाहिए।



# POLITICAL CONSEQUENCES

**What, however, cannot be denied is the increased momentum towards inter-dependence and integration between governments, businesses, and ordinary people in different parts of the world as a result of globalisation.**

बहरहाल इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि 'पारस्परिक निर्भरता' की रफ्तार अब तेज हो चली है। वैश्वीकरण के फलस्वरूप विश्व के विभिन्न भागों में सरकार, व्यवसाय तथा लोगों के बीच जुड़ाव बढ़ रहा है।

# CULTURAL CONSEQUENCES

**The consequences of globalisation are not confined only to the sphere of politics and economy. Globalisation affects us in our home, in what we eat, drink, wear and indeed in what we think. It shapes what we think are our preferences.**

वैश्वीकरण के परिणाम सिर्फ आर्थिक और राजनीतिक दायरों में ही नज़र नहीं आते; हम घर में बैठे हों तब भी इसकी चपेट में होते हैं। हम जो कुछ खाते-पीते-पहनते हैं अथवा सोचते हैं- सब पर इसका असर नज़र आता है।

# CULTURAL CONSEQUENCES

**The cultural effect of globalisation leads to the fear that this process poses a threat to cultures in the world. It does so, because globalisation leads to the rise of a uniform culture or what is called cultural homogenisation. The rise of a uniform culture is not the emergence of a global culture**

हम जिन बातों को अपनी पसंद कहते हैं वे बातें भी वैश्वीकरण के असर में तय होती हैं। वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभावों को देखते हुए इस भय को बल मिला है कि यह प्रक्रिया विश्व की संस्कृतियों को खतरा पहुँचाएगी। वैश्वीकरण से यह होता है क्योंकि वैश्वीकरण सांस्कृतिक समरूपता ले आता है।

# CULTURAL CONSEQUENCES

**What we have in the name of a global culture is the imposition of Western culture on the rest of the world. We have already studied this phenomenon as the soft power of US hegemony in Chapter 3. The popularity of a burger or blue jeans, some argue, has a lot to do with the powerful influence of the American way of life.**

सांस्कृतिक समरूपता का यह अर्थ नहीं कि किसी विश्व-संस्कृति का उदय हो रहा है। विश्व-संस्कृति के नाम पर दरअसल शेष विश्व पर पश्चिमी संस्कृति लादी जा रही है। हम लोग अमरीकी वर्चस्व वाले अध्याय तीन में वर्चस्व के सांस्कृतिक अर्थ के अंतर्गत इस बात को पढ़ चुके हैं। कुछ लोगों का तर्क है कि बर्गर अथवा नीली जीन्स की लोकप्रियता का नजदीकी रिश्ता अमरीकी जीवनशैली के गहरे प्रभाव से है।

# CULTURAL CONSEQUENCES

**Thus, the culture of the politically and economically dominant society leaves its imprint on a less powerful society, and the world begins to look more like the dominant power wishes it to be. Those who make this argument often draw attention to the 'McDonaldisation' of the world,**

क्योंकि राजनीतिक और आर्थिक रूप से प्रभुत्वशाली संस्कृति कम ताकतवर समाजों पर अपनी छाप छोड़ती है और संसार वैसा ही दीखता है जैसा ताकतवर संस्कृति इसे बनाना चाहती है। जो यह तर्क देते हैं वे अक्सर दुनिया के 'मैकडोनाल्डीकरण' की तरफ इशारा करते हैं।

# CULTURAL CONSEQUENCES

**with cultures seeking to buy into the dominant American dream. This is dangerous not only for the poor countries but for the whole of humanity, for it leads to the shrinking of the rich cultural heritage of the entire globe.**

उनका मानना है कि विभिन्न संस्कृतियां अब अपने को प्रभुत्वशाली अमरीकी ढर्रे पर ढालने लगी हैं। चूँकि इससे पूरे विश्व की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर धोरे-धोरे खत्म होती है इसलिए यह केवल गरीब देशों के लिए ही नहीं बल्कि समूची मानवता के लिए खतरनाक है।

# CULTURAL CONSEQUENCES

**At the same time, it would be a mistake to assume that cultural consequences of globalisation are only negative. Cultures are not static things. All cultures accept outside influences all the time. Some external influences are negative because they reduce our choices.**

इसके साथ-साथ यह मान लेना एक भूल है कि वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभाव सिर्फ नकारात्मक हैं। संस्कृति कोई जड वस्तु नहीं होती। हर संस्कृति हर समय बाहरी प्रभावों को स्वीकार करते रहती है। कुछ बाहरी प्रभाव नकारात्मक होते हैं क्योंकि इससे हमारी पसंदों में कमी आती है।

# CULTURAL CONSEQUENCES

**But sometimes external influences simply enlarge our choices, and sometimes they modify our culture without overwhelming the traditional. The burger is no substitute for a masala dosa and, therefore, does not pose any real challenge.**

कभी-कभी बाहरी प्रभावों से हमारी पसंद-नापसंद का दायरा बढ़ता है तो कभी इनसे परंपरागत सांस्कृतिक मूल्यों को छोड़े बिना संस्कृति का परिष्कार होता है। बर्गर मसाला-डोसा का विकल्प नहीं है इसलिए बर्गर से वस्तुतः कोई खतरा नहीं है।



# CULTURAL CONSEQUENCES

**It is simply added on to our food choices. Blue jeans, on the other hand, can go well with a homespun khadi kurta. outcome of outside influence is a new combination that is unique-**

इससे हुआ मात्र इतना है कि हमारे भोजन की पसंद में एक चीज़ और शामिल हो गई है। दूसरी तरफ, नीली जीन्स भी हथकरघा पर बुने खादी के कुर्ते के साथ खूब चलती है।

# CULTURAL CONSEQUENCES

**a khadi kurta worn over jeans. Interestingly, this clothing combination has been exported back to the country that gave us blue jeans so that it is possible to see young Americans wearing a kurta and jeans!**

यहां हम बाहरी प्रभाव से एक अनूठी बात देखते हैं कि नीली जीन्स के ऊपर खादी का कुर्ता पहना जा रहा है। मज़ेदार बात तो यह है कि इस अनूठे पहरावे को अब उसी देश को निर्यात किया जा रहा है जिसने हमें नीली जीन्स दी है। जीन्स के ऊपर कुर्ता पहने अमरीकियों को देखना अब संभव है।

# CULTURAL CONSEQUENCES

**While cultural homogenisation is an aspect of globalisation, the same process also generates precisely the opposite effect. It leads to each culture becoming more different and distinctive. This phenomenon is called cultural heterogenisation.**

सांस्कृतिक समरूपता वैश्वीकरण का एक पहलू है तो वैश्वीकरण से इसका उलटा प्रभाव भी पैदा हुआ है। वैश्वीकरण से हर संस्कृति कहीं ज़्यादा अलग और विशिष्ट होते जा रही है। इस प्रक्रिया को सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण कहते हैं।

# CULTURAL CONSEQUENCES

**This is not to deny that there remain differences in power when cultures interact but instead more fundamentally to suggest that cultural exchange is rarely one way.**

ठसका मतलब यह नहीं कि संस्कृतियों के मेलजोल में उनकी ताकत का सवाल गौण है परंतु इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि सांस्कृतिक प्रभाव एकतरफा नहीं होता।

# INDIA AND GLOBALISATION

**We said earlier that globalisation has occurred in earlier periods in history in different parts of the world. Flows pertaining to the movement of capital, commodities, ideas and people go back several centuries in Indian history.**

हमने पहले इशारा किया था कि दुनिया के विभिन्न भागों में वैश्वीकरण इतिहास की विभिन्न कालावधियों में पहले भी हो चुका है। पूँजी, वस्तु, विचार और लोगों की आवाजाही का भारतीय इतिहास कई सदियों का है।

# INDIA AND GLOBALISATION

**During the colonial period, as a consequence of Britain's imperial ambitions, India became an exporter of primary goods and raw materials and a consumer of finished goods. After independence, because of this experience with the British, we decided to make things ourselves rather than relying on others.**

औपनिवेशिक दौर में ब्रिटेन के साम्राज्यवादी मंसूबों के परिणामस्वरूप भारत आधारभूत वस्तुओं और कच्चे माल का निर्यातक तथा बने-बनाये सामानों का आयातक देश था। आज़ादी हासिल करने के बाद, ब्रिटेन के साथ अपने इन अनुभवों से सबक लेते हुए हमने फ़ैसला किया कि दूसरे पर निर्भर रहने के बजाय खुद सामान बनाया जाए।

# INDIA AND GLOBALISATION

**We also decided not to allow others to export to us so that our own producers could learn to make things. This 'protectionism' generated its own problems.**

हमने यह भी फैसला किया कि दूसरों देशों को निर्यात की अनुमति नहीं होगी ताकि हमारे अपने उत्पादक चीजों को बनाना सीख सकें। इस 'संरक्षणवाद' से कुछ नयी दिक्कतें पैदा हुईं।

# INDIA AND GLOBALISATION

**While some advances were made in certain arenas, critical sectors such as health, housing and primary education did not receive the attention they deserved. India had a fairly sluggish rate of economic growth.**

कुछ क्षेत्रों में तरक्की हुई तो कुछ ज़रूरी क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, आवास और प्राथमिक शिक्षा पर उतना ध्यान नहीं दिया गया जितने के वे हकदार थे। भारत में आर्थिक-वृद्धि की दर धोमी रही।



# INDIA AND GLOBALISATION

**In 1991, responding to a financial crisis and to the desire for higher rates of economic growth, India embarked on a programme of economic reforms that has sought increasingly to de-regulate various sectors including trade and foreign investment.**

1991 में, वित्तीय संकट से उबरने और आर्थिक वृद्धि की ऊँची दर हासिल करने की इच्छा से भारत में आर्थिक-सुधारों की योजना शुरू हुई। इसके अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों पर आयद बाधाएँ हटायी गई इन क्षेत्रों में व्यापार और विदेशी निवेश भी शामिल थे।

# INDIA AND GLOBALISATION

**While it may be too early to say how good this has been for India, the ultimate test is not high growth rates as making sure that the benefits of growth are shared so that everyone is better off.**

यह कहना जल्दबाजी होगी कि भारत के लिए यह सब कितना अच्छा साबित हुआ है क्योंकि अंतिम कसौटी ऊँची वृद्धि-दर नहीं बल्कि इस बात को सुनिश्चित करना है कि आर्थिक बढ़वार के फायदों में सबका साझा हो ताकि हर कोई खुशहाल बने।

# RESISTANCE TO GLOBALISATION

**We have already noted that globalisation is a very contentious subject and has invited strong criticism all over the globe. Critics of globalisation make a variety of arguments. Those on the left argue that contemporary globalisation represents a particular phase of global capitalism that makes the rich richer (and fewer) and the poor poorer.**

हम देख चुके हैं कि वैश्वीकरण बड़ा बहसतलब मुद्दा है और पूरी दुनिया में इसकी आलोचना हो रही है। वैश्वीकरण के आलोचक कई तर्क देते हैं। वामपंथी राजनीतिक रुझान रखने वालों का तर्क है कि मौजूदा वैश्वीकरण विश्वव्यापी पूंजीवाद की एक ख़ास अवस्था है जो धनिकों को और ज़्यादा धनी (तथा इनकी संख्या में कमी) और गरीब को और ज़्यादा ग़रीब बनाती है

# RESISTANCE TO GLOBALISATION

**Weakening of the state leads to a reduction in the capacity of the state to protect the interest of its poor. Critics of globalisation from the political right express anxiety over the political, economic and cultural effects. In political terms, they also fear the weakening of the state.**

राज्य के कमजोर होने से गरीबों के हित की रक्षा करने की उसकी क्षमता में कमी आती है। वैश्वीकरण के दक्षिणपंथी आलोचक इसके राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। राजनीतिक अर्थों में उन्हें राज्य के कमजोर होने की चिंता है।

# RESISTANCE TO GLOBALISATION

**Economically, they want a return to self-reliance and protectionism, at least in certain areas of the economy. Culturally, they are worried that traditional culture will be harmed and people will lose their age-old values and ways.**

वे चाहते हैं कि कम से कम कुछ क्षेत्रों में आर्थिक आत्मनिर्भरता और 'संरक्षणवाद' का दौर फिर कायम हो। सांस्कृतिक संदर्भ में इनकी चिंता है कि परंपरागत संस्कृति की हानि होगी और लोग अपने सदियों पुराने जीवन-मूल्य तथा तौर-तरीकों से हाथ धो देंगे!

# RESISTANCE TO GLOBALISATION

**It is important to note here that anti-globalisation movements too participate in global networks, allying with those who feel like them in other countries. Many anti-globalisation movements are not opposed to the idea of globalisation per se as much as they are opposed to a specific programme of globalisation, which they see as a form of imperialism.**

यहां हम गौर करें कि वैश्वीकरण-विरोधी आंदोलन भी विश्वव्यापी नेटवर्क में भागीदारी करते हैं और अपने से मिलती-जुलती सोच रखने वाले दूसरे देशों के लोगों से गठजोड़ करते हैं। वैश्वीकरण-विरोधी बहुत से आंदोलन वैश्वीकरण की धारणा के विरोधी नहीं बल्कि वैश्वीकरण के किसी खास कार्यक्रम के विरोधी हैं जिसे वे साम्राज्यवाद का एक रूप मानते हैं।

# RESISTANCE TO GLOBALISATION

**In 1999, at the World Trade Organisation (WTO) Ministerial Meeting there were widespread protests at Seattle alleging unfair trading practices by the economically powerful states.**

1999 में, सिएटल में विश्व व्यापार संगठन की मंत्री-स्तरीय बैठक हुई। यहां बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए। आर्थिक रूप से ताकतवर देशों द्वारा व्यापार के अनुचित तौर-तरीकों के अपनाने के विरोध में ये प्रदर्शन हुए थे

# RESISTANCE TO GLOBALISATION

**It was argued that the interests of the developing world were not given sufficient importance in the evolving global economic system.**

विरोधियों का तर्क था कि उदीयमान वैश्विक आर्थिक-व्यवस्था में विकासशील देशों के हितों को समुचित महत्त्व नहीं दिया गया है।



# RESISTANCE TO GLOBALISATION

**The World Social Forum (WSF) is another global platform, which brings together a wide coalition composed of human rights activists, environmentalists, labour, youth and women activists opposed to neo-liberal globalisation.**

नव-उदारवादी वैश्वीकरण के विरोध का एक विश्व-व्यापी मंच 'वर्ल्ड सोशल फोरम' (WSF) है। इस मंच के तहत मानवाधिकार- कार्यकर्ता, पर्यावरणवादी, मजदूर, युवा और महिला कार्यकर्ता एकजुट होकर नव-उदारवादी वैश्वीकरण का विरोध करते हैं।

# INDIA AND RESISTANCE TO GLOBALISATION

**What has been India's experience in resisting globalisation? Social movements play a role in helping people make sense of the world around them and finding ways to deal with matters that trouble them. Resistance to globalisation in India has come from different quarters.**

वैश्वीकरण के प्रतिरोध को लेकर भारत के अनुभव क्या हैं? सामाजिक आंदोलनों से लोगों को अपने पास-पड़ोस की दुनिया को समझने में मदद मिलती है। लोगों को अपनी समस्याओं के हल तलाशने में भी सामाजिक आंदोलनों से मदद मिलती है। भारत में वैश्वीकरण का विरोध कई हलकों से हो रहा है।

# INDIA AND RESISTANCE TO GLOBALISATION

**There have been left wing protests to economic liberalisation voiced through political parties as well as through forums like the Indian Social Forum.**

आर्थिक वैश्वीकरण के खिलाफ वामपंथी तैवर की आवाजें राजनीतिक दलों की तरफ से उठी हैं तो इंडियन सोशल फोरम जैसे मंचों से भी।

# INDIA AND RESISTANCE TO GLOBALISATION

**Trade unions of industrial workforce as well as those representing farmer interests have organised protests against the entry of multinationals. The patenting of certain plants like Neem by American and European firms has also generated considerable opposition.**

औद्योगिक श्रमिक और किसानों के संगठनों ने बहुराष्ट्रीय निगमों के प्रवेश का विरोध किया है। कुछ वनस्पतियों मसलन 'नीम' को अमरीकी और यूरोपीय फर्मों ने पेटेन्ट कराने के प्रयास किए। इसका भी कड़ा विरोध हुआ।

# INDIA AND RESISTANCE TO GLOBALISATION

**Resistance to globalisation has also come from the political right. This has taken the form of objecting particularly to various cultural influences – ranging from the availability of foreign T.V.**

वैश्वीकरण का विरोध राजनीति के दक्षिणपंथी खेमों से भी हुआ है। यह खेमा विभिन्न सांस्कृतिक प्रभावों का विरोध कर रहा है जिसमें केबल नेटवर्क के जरिए उपलब्ध कराए जा रहे विदेशी टी.वी

# INDIA AND RESISTANCE TO GLOBALISATION

**channels provided by cable networks, celebration of Valentine's Day, and westernisation of the dress tastes of girl students in schools and colleges.**

चैनलों से लेकर  
वैलेन्टाईन-डे मनाने  
तथा स्कूल-कॉलेज के  
छात्र-छात्राओं की  
पश्चिमी पोशाकों के लिए  
बढ़ती अभिरुचि तक का  
विरोध शामिल है।